

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

E

समास जब दो से अधिक शब्दों को मिलाकर जब नया शब्द मिलता है। समास कहलाता है।
 छः प्रकार - अव्ययी, लघुसूचक, ङ, ङि, बहुव्रीही समास

F

उपसर्ग वे शब्द जो किसी शब्द के आगे लगाकर उसका अर्थ बदल देते हैं।
 उदा० सु + पुत्र = सुपुत्र
 सु + मार्ग = सुमार्ग

G

संघि	समास
दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार उत्पन्न होता है।	दो शब्दों के योग से निर्मित नहीं होता है।

H

पल्लवन भावों को समझकर विस्तारण करना अपने ज्ञान के अनुसार व्याख्या सरल, सहज व स्पष्ट होनी चाहिए।

I

किसी पद को अंतिम रूप देने से पहले जो कच्चा मसौदा होता है उसे प्राकृत कहते हैं।

5	J	अनुस्वार यह स्वर के बाद आने वाला व्यंजन जो तनाम से निकलती है इसका संतोष
1	R	कंडय वे ध्वनि जो कंड से निकलती है कंडय ध्वनि कहलाती है इसका उदा. क, ख, ग
1	L	परिपत्र जब लिखा जाता है जब एक पत्र को एक साथ कई प्रेषितियों को भेजा जाता है इसका बेतनवृत्ति का पत्र
1	M	11 वां विश्व हिंदी सम्मेलन 2018 मारीशस - पोर्ट लुई
1	N	दौरवी बोली पश्चिमी हिंदी भाषा के मंतर्गत आती है
1	O	
1	S	हिंदी के प्रथम कवि → सरहपा (उनी'सी)
1	V	यण संधि - यदि इ, ई, उ, ऊ के बाद कोई निम्न स्वर आये तो इ-ई का य् ऊ-ऊ का व् आ-आ का र्

हो जाता है:

कर्मधारय समास → पहला पद ~~कर्म~~ विशेषण
विशेष्य होता है।

उदा० नीलकमल → नीला है जो कमल

बहुव्रीहि → इसके दोनों पदों को छोड़कर किसी
तीसरे पद की प्रधानता होती है

उदा० लम्बोदर → लम्बा है उस जिनका गणेश

2 We should accept that our Country
has many types ~~so~~ evils. Corruption
and bribe are everywhere. And all this
pity environment not only common people
but responsible offices are there. there
are difference in awful activity but we
Request to the student and people they
choose not to be wrong side they
choose inspritation and creative side.
student does not choose politics over
education. knowlege and virtue are men
biggest asset. if they lose we getting
lose other things. if the student are

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

interested in nation making so we called for make it happen.

0 3

एम आरत के लोग भारत को एक संप्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंचनिश्चेत, लोकतन्त्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, न्याय, विचार, समित्यक्ति विश्वास धर्म और शासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और प्रकसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एका व यथेता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बंधुता के लिए एक संकल्प लेकर अपनी इस संविधान सभा में 26 नवंबर 1949 को हस्ताक्षर। इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मर्पित करते हैं।

0 4

जो मनुष्य धर्म व संघम से ग्राम लेता है उसके पास प्रसिद्ध शहरियाँ होती हैं पर वह उत्पन्न नहीं करता। समुद्र शांति किल से बला रहता है। उसमें कोई रत्न पुनल नहीं होती जैसे नदी में होती है। मन भी वैसा ही है।

भाव पल्लवन

संयमी पुरुष उपल-पुनल व चिंगा से जरा भी विचारित नहीं होगा लेकिन जब विचार की इच्छा होती है तो उसे कोई भी नहीं रोक सकता वह अपने नैतिक पक्ष से सबसे शांत रहेंगे। उसका प्रवाह निश्चित व सहाय्यी होता है।

Quarterly - त्रैमासिक

Surplus - अधिक्य, अधिक मात्रा में

Buffer stock - संरक्षित स्टॉक, बफर स्टॉक

मतदाधिकार - voting right

न्यायिक अधिकार - judicial right

अपना इल्लू सीधा करना - अपना स्वार्थ सिद्ध करना
उकाठ शाम, श्याम से दोस्ती बरसे अपना इल्लू
सीधा कर रहा है।

तोते उड़ जाना - धबरा जाना

आप परीक्षा हाल में कठिन प्रश्नपत्र देखकर मनोज

के ली ली उर गए

घंघे में बना राजा → प्रयोग्य में ब्रम योग्य
उराव मोहन स्मृत में नारी घणों में से यष्टिड
लोशिपाट है सही है घंघों में बना राजा

खिसयानी विल्ली खंभा नोचे - वांछित वस्तु न प्राप्त
होने पर ब्रमी बनाना

उराव मोहन वा दाखिला यष्टिष्टी में नहीं हुआ तो
वह उसी ब्रमी निकालना लगा सही है खिसयानी
विल्ली खंभा नोचे

हाथ यागे बनाना → मदद व सहयोग करना
उराव बाठ की स्थिति में सभी नागरिक सहायता
के लिए हाथ यागे बढते हैं।

घर - संसार = इंव समास
शुण्व - ~~वि~~ नम
शुव → तोगा, सुग्गा
~~वि~~ विनायव - विने + यव (अत्रादि संधि)

जिलाधीरा बायोलॉज रत्नाम

दिनांक 10-1-2021

संख्या 2020/21

कोविड की परिस्थितियों को देखते हुए सभी बाजारों को रात 8 बजे तक खोलने के आदेश पारित किए जाते हैं। प्रत्येक के दौरान सभी दुकानदारों से अनुरोध है कि वे रात 8 बजे तक अपने प्रतिष्ठान खोलें

प्रतिष्ठान

आदेश से
जिला नलेगट
रत्नाम

(1) समस्त जिला रिजल्ट

इकाई

(2) रामसि चेंबर यासोसियसन

9

(1) मनुष्य मात्र मानव मूल्यों के हास व विवेक व ईमानदारी को त्याग रहा है। इसके सामूहिक व पारिष्टिक समस्याएं प्रकट हो रही हैं।

(2) जैतिक स्तर से ऊंचा उठने के लिए मनुष्य विवेक व ईमानदारी को त्याग रहा है।

(3) जैतिक मूल्य के जो मनुष्य को सही व गलत कार्य की बताने हैं।

(4) प्राधुनिक मनुष्य की प्रबल इच्छा साध्य को पाने की है।

(5) जैतिक मूल्यों को त्यागकर समाज की सुख की कामना करना लक्ष्य है।

प्रतिवेदन

दिनांक 20.2.2020 को माननीय नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छिंद भारत तंत्र का आह्वान कोविड वायरस को रोकने हेतु किया गया था जिससे लोगों में एकजुटता व बीमारी के फैलने के डर में बड़ी प्राण।

कोरोना से निपटने हेतु निम्न क्रमिक हैं:

- (1) इंदौर शहर में विदेशों से आने वाले हवाई सेवा का रोकना गया
- (2) संपूर्ण इंदौर शहर में टोटल लॉकडाउन किया गया
- (3) कोरोना जांच हेतु प्रत्येक सरकारी अस्पताल को चिन्हित किया गया
- (4) मास्क का प्रयोग अनिवार्य किया गया न इसके प्रयोग न करने पर सजा दे दी जायेगी
- (5) सामाजिक दूरी का प्रयोग करके महत्वपूर्ण कार्य किए गए
- (6) शहर के मुख्य मार्गों पर आवाजाही को रोकने हेतु पुलिस तंत्र को लगाया गया

सुझाव

- (1) सामाजिक दूरी रक्षण की रीति का उपयोग किया जाए।

- (2) जब तक वैक्सीन का निर्माण न हो तब तक मास्क का प्रयोग आवश्यक रूप से हो
- (3) कोरोना प्रभावित रोगियों को अस्पताल में उचित इलाज व प्रबंधन करना
- (4) भारत में निर्मित वैक्सीन को सफलतापूर्वक लोगों को उपलब्ध कराया जाए

निष्कर्ष: कोरोना एक महामारी है जिससे संपूर्ण विश्व इसकी चपेट में आ गया था जिससे इसका प्रबंधन और भी महत्वपूर्ण हो जाना है।

संलग्न

- (1) 3 मलिटु कोरोना रोगियों की संख्या
- (2) अस्पतालों में रीड हुए रोगियों की संख्या
- (3) कोविन एप द्वारा हेल्थकर का पंजीकरण